Institutional efforts/initiatives in providing an inclusive environment i.e., tolerance and harmony towards cultural, regional, linguistic, communal socioeconomic and other diversities (Some sample programmes)

Programme	Organising Date
Three Days Youth Camp For Training in	29-31.01.2015
Nonviolence, Culture of Peace and Human Rights	29-31.01.2013
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence, Culture	09.01.2015
of Peace and Human Rights	09.01.2013
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence, Culture	16.10.2014
of Peace and Human Rights	10.10.2014
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence, Culture	08.09.2014
of Peace and Human Rights	08.09.2014
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence, Culture	09.03.2016
of Peace and Human Rights	09.03.2010
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence, Culture	16.03.2016
of Peace and Human Rights	10.03.2010
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence, Culture	09.03.2016
of Peace and Human Rights	09.03.2016
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence, Culture	09.02.2016
of Peace and Human Rights	09.02.2010
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence, Culture	09.10.2015
of Peace and Human Rights	09.10.2013
Three Days Youth Camp For Training in	20.22.02.2017
Nonviolence, Culture of Peace and Human Rights	20-22, 02. 2017
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence, Culture	08.02.2017
of Peace and Human Rights	08.02.2017
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence, Culture	28.09.2016
of Peace and Human Rights	28.09.2016
Three Days Youth Camp For Training in	27-29,.01.2018
Nonviolence, Culture of Peace and Human Rights	21-29,.01.2016
Communal Harmony Programme	19-25, 11.2017



शांति के लिए अहिंसा ही शक्तिशाली अस्त्र

राष्ट्रीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

कृत सर्विता सक्ताना स्वातंत्र त्यात्त्

the lawyers trestament in after 150 and from 30 differ-कार-कोर्गन सेश के प्रापृष्ट शासामध्य में आधीरण है।(एक्सीन शहीन कुछ अदिसा प्रतिश्राम विश्वित कर उत्पादन कृतका की एमहिल्डिकान अधिहरतीयन नं मामराहर्गक हुआ।

समार्गाह को पुरान अनेतीय महाराज गातिमह निश्ची गालक को पुना है। के पन्द्रमाना पर्या ने गुणाओं को संबोधन कात हुए कहा कि मृत्रा विदेश की जीवन में अधिकार कर, तभी देश पर समाज का विकास संबंध है। दे पटन ने अवस्था को अध्ययकात क बन देते हुए नहा कि अहसा हैया का स्थानन है, इस देस द्वारा सृष्टि में सह औरतन्य का विकास किया जा सकता है। हतोने बड़ा कि व्यक्ति को शांत को खोत के लिए पोता प्रवेश करने होए।



नहर्न्। राष्ट्रीय दुवा अहिला प्रतिशास विविध्य के अवस्था अस्तिक।

हजोर्ने करा कि शांत के लिए अहिंगा से श्रीकाशाने अस्त है, प्रत्येक प्रतंत्र ामें अस्तावन अहिंसा की शीका की पहचान सकता है। बसागह की अध्यक्त करते हुए तेन विद्यानने विश्वतिकारण की कुलाईक प्रकान वारिएकता ने करा कि अपन में अन्याह एवं बुगई दोनों का मन्त्रिण होना है, जिन गुणी की हम विकासित करने चारते हैं उनके दिना विरोध प्रमुख को अवस्थान है। उनके कुमाओं को जीवन में अस्तिमा एवं गारि को जीवन का भोदा बरने का अस्तिन किया। कुल्पांत ने जीन किस्रामाणे विश्वविद्यालय की अंतिया एवं शांति था चित्रह केन्द्र बन्ते हुए को वे दे जा भी किया को अर्थना प्रतिकार का रपत्रम कराव। विदेशर अर्थित के रूप में जनस्थान करन विश्वविद्याल की की पूरम करना के गुजारत को कीएकर दिस्तीय के साथ सुरुती से प्रीत्त किया प्रत्य करने का आहान किया। और स्थापन शांति विकास के आध्या के अने स्थापन प्रो बन्द्रशास दुनह, प्रा अवेदान मिला, प्रा आनन्द प्रकाश विकारी से रेखा लिकारी, को जुनार्थकराम दायिय, हो रोबन्द सिंह राजीह न भी संबोधित किया।

रवकता रेली निकाली

के अभिनाम में बनाय कि किया में देश कर के प्रीताल सहति, दालते के पुत्र को पुत्र भाग ने वेट है। इस तीन दिशके इस विविध के देशन भागा अधिकार अधिका प्रोत्रका व्योक्त संस्था नामानित, करदन आहे का बोक्स दिन जावित्। द्वितेत सत्र में अस्ति एक्सर्ट में अस्तित प्यू में केश्वर नुषद में सीरने प्रश्नेपर एवं अधिया का न्यानुसार दिया। इस अवसर का किर्देशकाम प्रतिमा प्रस्तिक है हो को अस्टेशन से वृद्धान हात किया गण।

कल अवद्यानित पानुका 30.1.2015

2019

अहिसा से आता है रविवत्तस्य में आकर्षण यया अहिसा प्रशिक्षण शिवित का दूसरा दिन MINOR PER PERM the ligrerant's property to other with the first of after weather the in the steam जनसम्बद्धाः सं चल रहे और दिशाहेत राष्ट्रीय कुछ अस्तित स्रोताम्य अस्त क दूसरे द्वन औ शुक्रकात राज्य व हुई। एमडी भेडाकर ऑडिटेरियन ए यह रहे कार्यक्रम में देशकर य आप पुषाओं को या अविश्वा à sellera mount a méanne frequent from the salest state and त्रनात प्रक्षेपन पर व्याख्यान दिया। इनोने बाह्य कि विसक्त प्रपृति स व्यक्ति का जीवन विकृत कर जात है। जाविकान्य में आवश्येण का निर्माण अर्थकर के के जा समाज है। प्रदेशन विज्ञान, केल्डब्यान एवं प्राप्त विभाग के सहाग्रह आचार्य ही चुकाल विदेश स्थानिक ने स्थान का प्राचानिक प्राथम विका एक्ट्रीय आसामान के हो, कालोश ने स्वास्थ्य संपन य मानवाधिकार विषय पर प्रतिपूर्ण रिया सामृतिक अधिक्रम में भी हुए। संबालन शासी किया न किए। 112 ans 4 Mari Alons 31-1-2015

'अहिंसा से आता है त्यक्तित्व में आकर्षण

राष्ट्रीय युवा अहिंसा प्रशिक्षाण शिविर में देश भर से आए युवा, कॅरिअर निर्माण व्याख्यान में बोले वक्ता

AURIST RUS STREET

देन विकास मार्ग्य विकायिकात्व के आहेगा एवं प्राप्ति विकास व क्षित्रम वात्रमतिना राम के समुख्य तलायाना में पान पर वि-दिश्वानीय राष्ट्रीय युवा ऑहरण प्रशिक्षण शिवा के दिल्ला दिल्ला को शुरुआत क्षेत्र, असमा क्षेत्र प्राथतिक के मान्त्र हो। प्रमानी प्रोत्राह्म अमेरिटरियम में आयोजिन स्वीत्त्रका विकास विकास प्रतान प्रसान

NE PROPERTY FOREIGN

उन्होंन कहा कि जिसक प्रश्नीत से ब्यक्ति का जोतान विकास कर जाता है। वर्ताकरका में आध्योग का निर्माण अहिंगा क पार्थम म er on meet in other fages, thereter the size in the second second second second second पुष्पाक्ष स्टिट खेपाराण ने बाग का प्राचीतिक प्राप्ता दिया। सामधीय चिकित्सालय के विकित्सक की, कमलेश करना ने स्थापन का आयोजन किया गांवा देश भर से विकास जाने केने देख में अवस्थाओं में

नई तकनीक अपनाने से होगा युवाओं में हनर का विकास

रहान् केर विकास के देखतियांका के उपराधान है। क्षावरिका करिया विवर्धित अपने के दिवस कुवाब्य की tent o como de centralis sença masos ton ज्यातीक विकार पर कहा है । इस स्थानिक विकार धारतात के राजवीय प्रमाण राजवीय व्यक्तिया स्थापिक Streets Street analysis Street A different States कार्यक्षण में देश भर में आग पुत्राओं को पूर्व स्वीतरण विकास कार्यक्रम का उन्होंका क्रिक करा या अनिम भर ने आहरूक प्राथम एवं कार्यक्रम है के विकास मिलिए पर के उनकार रसन्दर्भ में देरेड मर्ट राज में कर कि किया है। केंद्रम में गई एक्टरिक का प्रतिम कर व्यक्तिपाल कुछ की किया कि अर्थ के अर्थ में जिल्हें में किया के अर्थ तह बारित को अभी परवित्व करों तो में वह तकते। के विकास करना प्रतिहार उनके देविए प्रवेश की के काल हिए किया को क्रम स्टिवर की त्रिकार देवलेंग के त्यार रहिए को दिवसीय करों के पुरानत है अपने तथा को कु सकत है। दिल्ला अंतरि अल्डेस करोड़ से कहा कि वहसा के से प्रथम के उनके लिए मृत्ये का किलान कार्यों है। एवस के सामांक करिया दिवानत में ही, कारण कार्र, तात्रकों से पहला हर्स दिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक वार्षकर्त सहस्रक के स्टार्मी में पावर्ष करणात कर बहिला कियानाय में कुर्वात कुर्तित एक विकासकों नावारीका विकासक आए. पुजाओं ने कविता, चीत, मृत्य स्तीत में प्रकाशन विकास से अध्यक्त की कृत्य सेन्स्ट मान्त्रीयक प्रत्येक्षम का अग्रमीयत किया। यूटीला तथे इंद्र सर्वा, त्रीय क्रेसेल त्रुपित द्वाराज कार्यक्रम संक्ष्मित संस्थी सिंगी ने किया। स्थापाद क्षेत्री, हीत्रत असे कही, स्थाप केर्याय स्थित margan actio with with these printer to y

निक भारकर पित्रका भारतीय 31. 1.2015

अहिंसा ही शक्तिशाली अस्त्र

distances the k offer or serve ares where क्षीर विराटत स क्षिप्त कार्रीकर तथा एउँड में अपना करता। संस के पहले सक्कार में केर इनका देंगे fruits ope on after these विकास अपूर्वत प्राप्ता को प्राप्ता प्रशिक्षण

the of goods is never where their works. NYCHAR IN THE OFFICE AT ADDR OFF BY THEFT मीकर में अनेकार को तथी हैत हुए हैं हुए, स्तुना दिनेए यह है कारण पर विकास के अपने के अपने अर्थ अर्थ का का की अर्थ कर कुछ से सार्थ के पर अरथ के अन्ति कहा कि वर्ष के अरथ कुछ से सार्थ and any only with only in five party and offers we कोटा प्रधेत करन होता जाते के ब्यायम दिया है। प्रधान रिता अंडिम्स कवित्रकारों अन्य है। पर विश्वविद्यालय जीवता में प्राचित व्यक्ति इसे अन्यक्षत अंडिम्स अवस्थात केले विकासी गई। को तील को प्रापन मकत है। वक्ताओं ने दिए सामान की अवहर की किएका है। विदेश को कुलादी सम्बंध प्रतिकास it was the outlier it several tree the foregreat frequency 明は 古代 wi unite fire fi far 'a ofere en efe feren u and all the lawfull were treet aften without the w िताल कि विद्यालयान प्रति है। समूक सम्बद्धान में प्रति है words it the fourteet tale all the females region un after the other or helps have aftere alrest father in करामा विदेशक जीतीय जननामान दूसी दिन विदेशन विकास का कराम विकासिकारण की क्रीपुरूप ने अवस्थान हुए। quality at a few fewer in sets of the particular and the particular an agent of fifth from their mark all surprise from the first part with the course the first from the forcesse is adverted a niche service or species AN ASIA MARKET IN WARRE FOR MARKET IN CO. M. पूर्व रे कार्यक्षण की बन्धांत्र प्रमुख कार्यक्षण काम के कार्यक्षण की। इस स्थेत पहुन्ने, लेकेवर्ग निवा, नेत्रमां पूर्व स्थापनांत्रका विकास the supersymmetric and the supersymmetric रेस्ट विकास ने अधिवादियाँ का स्थापन स्थापन सम्बंध (८००) न ferei meine ufter unften furei

der in mount of अगार्वकार कर्मन ने दिया।

Signer affeiten figur. feber fie der men

च्याख्यान

2115-2015 -UT

अहिसा से आता है व्यक्तित्व में आकर्षण यया आहसा प्रांशक्षण शिविर का दूसरा दिन HERE SEE STEEL क्षेत्र विश्वकारको पुरिवर्गको । अभिन्या और प्राप्ति विश्वका । स्रोत्तर प्राप्तकोशन शैल के संस्कृत कतानकान में बात कर तीन दिवारिय राष्ट्रीय कुन अरहेच्या प्रशिक्षण आहेल क पूर्व देश को शुक्रवता राज व und stems affeiter से भाग पटे कार्यक्रम में देशाचा यो आर पुणाने को यो, अन्तिका A MINER WHEN IN MEANING विश्वस्थ विश्वय पर चर्चा बारी हुए। सनाम प्रजेपन पर स्वाह्मस्य दिया। इन्होंने बाहा कि विस्तक प्रमृति स वर्णाक्ष्य का जोजब विकृत अने उठा। है। व्यक्तिमान में आध्याप का निर्मात अवेतिका की की अब सम्बन्धा है। ज्योजन विश्वात, प्रेस्टम्यात एवं यात्र विश्वात के सहारक आचार्य की प्रवास file श्रामातिक के बोग का प्राथमिक प्रतिक्षण दियाः राजकीय अस्मानान के भी कमलेगा ने प्रशासन केंग्रा य पानवाधिकार विकास पर प्रतिकारण दिया। संस्कृतिक आवेशम में भी हुए। संशास्त्र सहसे सिपी न किया 112 m2 4/2/01 31-1-2015

जैन विश्वभारती संस्थान

(विक्रवविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम १९५६ ही बारा ३ के अन्तर्गत घोषित मान्य विश्वविद्यालय) लाइन् - ३४१ ३०६ (राजस्थान), भारत



Jain Vishva Bharati Institute

(Declared as Deemed-to-be University under Section 3 of the UGC Act, 1956)

LADNUN-341306 (Rajasthan), INDIA

Reaccredited 'A' Grade by NAAC

जैविमासं/अशांवि/2015/5539

दिनांक: 07.01.2015

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

प्रतिष्ठा में पा-पान 12510 Nev-61/16

महोदय.

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा दिनांक 09.01.2015 को प्रात: 10.30- दोपहर 1.00 बजे तक अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आपके विद्यालय के कक्षा 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आशा है आप इस कार्यक्रम हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनेंगे।

सधन्यवाद ।

कार्य रहान्य

अ अरमानिधालम् निम्नित्न मेर्ना भीक्षाड मनीहर् वात्य निम्नितन् लाख्नुं भीक्षार देवी सी रोज स्म्राट, व्याड्नु भी अरमात्य सुत्तीहेमा सी रोज स्म्राट लाख्नुं

मवदीय, (प्रो. अनिल घर)

विमागाध्यक्ष

of the Vice Chancellor *91-1581-226116 +91-1581-227472 Brajna108@gmail.com

Website : www.jvbi.ac.in EPABX : +91-1581-226110,224332

Office of the Registrar Phone: +91-1581-226230 Fax +91-1581-227472 Email : registrar@jvbi.sc.in

असमरी 2015 अस्ति। प्रतिका लिन्द





उन दिना भारती विनादीव्यत्त्या में एनएसएस विवित्र के युनरमा। पर डॉ. बीवन सहारण का स्वानत करते समय

20159

एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर में बढ़ती हिंसा पर किया मंथन, 450 छात्र-छात्राओं ने प्राप्त किया प्रशिक्षण

HERBY TOTAL PRINT

रिकामित अविरस्त foliar धरिगधग आगोजन 162 हमहो प्राह्म atticitium

में रखा गया। THE

अब ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही अहसा क्षा समर्थन एवं आस्था से चेप्त नागरिक की रहक है कहा प्रतिक रहे कार्यंत्र क्लिकी क वे आक्रमें का निवाल किया जा सकता है। का विकासियों को अंदिया अपनाने कर

का बहुता बोलबाला मानव जीवन के लिए के किन्युक्त किन्युक्तिकालय के अंतिमा अहा सत्य बना हुआ है। ऐसे में जरूरी है एवं क्षांत विभाग के सरकारधान में एक कि हम सब मिलकर अहिंसा का परिशाल लेकर देश एवं सम्पन को मलका बनाएं। अर्दिस्य एवं शादित विस्थान के विद्यानगण्याचा प्री अभिन धर ने बहा कि प्राकृतिक संसद्धानों का स्मीमित उपगोग कर हम मानव संस्कृति को शासे से बचा सकते हैं। आचार्य काल् कल्या मार्शवद्यालय की प्राचार्ग कहा कि मन, बचन अतिथि एवं कर्म से अहिंसा के पालन के लिए निविधार बर्च राजना की कुलाईन समागी चाँरत को माधन बहत जरूरी है। समागी रेटियी प्रता ने विद्यापियों को प्रश्लेषिक प्रतिकाण दिया। feeligt in minimum of, dieg fain order ने शिक्षिर को कुदभूमि पर प्रकार हाला। बीटम पह चेतना के विकास से ही जीवन कार्यक्रम जनसंख्ये समन्वपक हो चेरिट भाटी मंगल ने कहा कि जीवन निर्माण एवं पहलों की रिशक्त का यह देने वाला यह विकासिकालय

माध्यमिक विद्यालय, लाड मनोहर उमाय, सांदाला, मंत् कुमारी, विकास कुमार शर्मा, केमारोवी तथा मध्यमिक विद्यालय जसम्बद्धाः के भारते निकेतन उस्त माध्यमिक के करीब 450 शाव-सामाओं ने भाग लेकर

आह्मन करते हुए कहा कि व्यवस्थ में हिंस। समाज एवं देश को स्वास्थ नांग्रीक देने के प्रशिक्षण पान किया। कार्यक्रम में सुरेंद्र कीर रिका सम्बंधित है। विशेषा में भूतोडियो उच्च सोवरमान जॉगड, गरिमा घटनान, गुलाबचंद लक्ष्मी सिन्दे आदि का समझनीय सहयोग सह। विकारियों को प्रयोगरण से प्रोमीश्र स्विक्तिरी विद्यालय एवं निवीजेश्य के राजधीय उम्राध्य विरुप भी दिखाई गई। कार्यक्रम में अनेक शिक्षक एवं विद्याची उपस्थित थे।

सवा स जुड़ा उपक्रम ह एनएसएस

राइन् जैन विश्वपारके विश्वविद्यालय एवं आनावं कान् कर्या महविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा पोजना इकाई के अन्तर्गत सप्त दिससीय शिवर का शुभारंभ कुल्यांत समानी चारित्र प्रज्ञ को आध्यक्षता में समारोह पूर्वफ हुआ। कुलपति समानी चारित्र प्रजा ने बड़ा एनएसएस सेवा से जुड़ा उपक्रम है। जिससे विद्यार्थी जीवन में सेवा के भागी का विकास स्वमत से किया जा सकता है। समन्तरंक यो वी प्रधान ने तिर्वत रूपरेखा प्रस्तत करते हार कार्यक्रम विधारण प्रस्तुत किया। सूत्रम आर्थित हो बीआर सतारण ने प्रवर्गीवर्ते को धन्म पोलियो अधियान को जनकारी देने एए स्वस्थ जीवन के पूर बत्तर) वार्यक्रम में बुलस्मीचल हो. ऑनल धर, हत्तार्थ समेणी मन्निकाल, श्रीमती प्रयांत भारतागर आदि मौजूद थे।

से ही विश्व 17 10 19

न तम्बद्धान्य के विश्वभारती लाकपूर्व के विश्वभारती लिखान्यालय के अविसा एवं मार्ग्य क्रियान के विश्वभारती के प्रति मार्ग्य के स्वित क्रियान क्

अहिसा वंशांति से ही समरसता का विकास

समरसता का विकास
- तृत्र सार्वस्थ नवस्थाति, लाङ्म् ।

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय
के तरवावधान में मुख्यत के एक दिवसीय
के हिमा प्रशिक्षण शिविष्ट आगीजित
किया प्रशासिक को अक्रमता करते
तुष भी वच्चना में दुग्यत ने कहा कि
अर्दिमा प्रकार जीवन से हो प्रमादक के की
के विश्वमान जीवन से हो प्रमादक के
के विश्वमान जीवन से हो प्रमादक के
के विश्वमान के वीध्यास को स्थास करा है।
आहमा के वीध्यास को सूच्य करा कि
मार्थमा में ही प्रदेश में समस्यात का
विकास किया जा प्रमादक के
मार्थमा के ही प्रस्ति प्रशासि के
मार्थमा में ही विश्वम में समस्यात का
विकास किया जा प्रमादक है। अर्दिमा
पूस क्रिके विश्वमा के अध्यास के
अर्दाची के जन्मी स्थास निवस्त विश्वास
का प्रयोगिक प्रशास के
का प्रयोगिक प्रशास के स्थास विश्वमा
का प्रयोगिक प्रशास करा विश्वमा
वादी के जन्मी स्थास का

'अहिंसा से ही समरसता का विकास संभव'

लाइन् जैन विश्वभारती इसान निर्माण को कार्यशास्त्र करावे विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति हुए अहिंसा के तत्वों को जीवन वे विश्वाम के तिव्यावधान में एक अन्यान का आहान किया। या दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का समुणी सल्यक्ष्य व आहिंसा एवं शांति विसमीय अहिंसा प्रशिक्षण शिक्षि का आध्याज एकबार संधिनार हाल सं आध्योजन एकबार संधिनार हाल सं आध्योजन किया गया। शिक्षि को अध्योजन कर रहे प्रो. सच्चयज हुगह में कहा कि अहिंसात्मक जीवन से ही प्राण्य सम्भाव के विकास से बीगदान है सकते हैं। अहिंसा के विकास सो बीगदान है सकते हैं। अहिंसा के विकास सो स्थायन कि पतारोप संस्कृति में जहिंसा की सुस्त क्रम से समझ माग है। अहिंसा एवं जाति के साध्यास से ही जिल्ला में सासस्ता का विकास किया जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण विवास को सासस्ता का विकास किया जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण विवास को अवस्थत थे। विकास हमां ने आभा

एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर आयोजित

अहिंसा एवं शांति से ही विश्व में समरसता का विकास

लाइन्, जेन विश्वपाती विश्वपिक तथ के अहिमा पूर्व शांति विभाग के ताबावधान में एक दिवसीय आहमा प्रशिक्षण शिक्षण का का अधीवन पुरुवार को सेमीनार होंत में आयोगित किया नथा। शिक्षिर की अस्मादत करते हुए थी. बच्छराज दुगढ़ ने कहा कि अहिसात्मक चीवन से ही मुन्न सम्मण के विकास में सीपातान दे सकते हैं। आहिसा के विद्याश मुख्यों की व्यावण करते हुए उन्होंने कहा कि पार्शीय संस्कृति में अहिसा को सुस्म क्या से समझ गया है। अहिसा पत्र शांति के माध्यम से ही विश्व में सामसता का विकास किया जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण शिक्षर को इसान निर्माण की कार्यशाला बताते हुए अहिसा के तत्वों को जीवन में अपनाने का अग्रह किया। CO CO CO

पित्रका नागीर 19.10.14

पर्यावरण संतुलन में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका : डॉ. धर और से बीव विकास

क तत्वावधान में एक दिवसीय अहिस प्रतिश्व हिंदि का अधिक के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिस प्रतिश्व हिंदि का अधिक विस्ति के अधिक में हुआ। अहिस एवं साहि विध्या के अध्यक्ष में अभित पर ने कहा कि पर्यावस्य प्रदूषण आज को प्रमुख समस्य है. इस विश्वक समस्य के सम्प्रधान के प्रति हम सभी को सहन एकत करने करना होगा। ही धर ने कहा कि देश का युव वर्ग सन्ता एकत पर्यवस्य संप्रधान में महती धूमिका का निवाद कर सकता है। समयी सन्तरहा ने कहा कि व्यवित परिवर्त को बात स्वर्ण से करनी होगी, तथी सम्याव में बदल्य संप्रधा है। सहन्यक आवार्य में रिवर्त सिंह एक्टेंड में शिवित को स्वर्ण पर प्रकार है। सहन्यक आवार्य में रिवर्त सिंह एक्टेंड में शिवित को स्वर्ण पर प्रकार है। सहन्यक आवार्य में रिवर्त सिंह संप्रधान ने प्रकार, की का प्रचेतिक भी स्वर्ण दिया। संपालन स्वर्ण सिंधों एवं आधार विकास सार्थ ने व्यवता किया। कार्यक्रम में स्थातम स्थित के का सार्थावक विश्वास के 125 विद्यार्थियों ने भाग हिन्य। इस अक्तार पर युवाओं को निवारत्य करनाराण से जुड़ी श्रीकपूर्वेट्टी विरस्त भी हस्ताई गई।

् नानानातामा आयोजिन

पर्यावरण संतुलन में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका-डॉ घर

लाडमूं। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिस्स एवं शांव विश्वय के क्रव्यथन में एक दिवसीय अहिंस प्रतिवाद शिवर कर आयोजन विश्वविद्यालय के सेमीनार हाँल में किया गया। युक्तओं को संबोधित कर आयोजन विश्वविद्यालय के सेमीनार हाँल में किया गया। युक्तओं को संबोधित करते हुए आहिया एवं शांव विभाग के अध्यक्ष डॉ अस्तिराधर ने कहा कि प्रयोक्तय प्रदूषण आज को प्रमुख समस्या है, इस वैश्विक समस्या के सम्बद्धन के प्रति हम संधी को सम्बद्ध करते हुए डॉ धर ने कहा कि देश का युक्त वर्ष सजय रहकर पर्यावरण संतुलन में महत्ती धूमिका का निवहन कर सकता है। सम्बद्धा ने कहा कि व्यक्ति परिवर्तन की बात स्थम से करनी होगी, तभी सम्बद्धा ने कहा कि व्यक्ति परिवर्तन की बात स्थम से करनी होगी, तभी सम्बद्धा ने कहा कि व्यक्ति परिवर्तन की बात स्थम से करनी होगी, तभी सम्बद्धा ने कहा कि व्यक्ति श्वावया संभव है। उन्होंने युक्तओं से आहायन करते हुए कहा कि व्यक्ति श्वावया सम्बद्धा है। सहायक आचार्य डॉ रिवर्ट सिंह एडीट ने अहिता प्रावर्थन सम्बद्धा है। सहायक आचार्य डॉ रिवर्ट सिंह एडीट ने अहिता प्रावर्थन श्वावया श्वावया देशे हुए श्विवर को पहचा पर प्रकार हाला। डॉ युक्तज श्वावया संख्या ने एवं आधार विकास सम्बद्धा ने व्यक्त का परिवर स्थान स्थान स्थान स्थान सम्बद्धा ने एवं आधार विकास सम्बद्धा ने व्यक्त का पर अधार विकास सम्बद्धा ने व्यक्त स्थान स्थान

मिक उद्योग आस-पास

जैन विश्वभारती संस्थान

क्यविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम १९५६ की धारा ३ क अन्तर्गन घोषित मान्य विश्वविद्यालय)

लाइन् - ३४१ ३०६ (राजस्थान), भारत



Jain Vishva Bharati Institute

(Declared as Deemed-to-be University under Section 3 of the UGC Act, 1956)

LADNUN-341306 (Rajasthan), INDIA

'A' Grade by NAAC & 'A' Category by MHRD

जैविभासं/अशांवि/2016/917

दिनांकः 02.03.2016

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

प्रतिष्ठा में

प्राचार्य मौलाना आजाद सीनीयर सैकण्डरी स्कूल, लाडनूं—341306 (राजस्थान)

सम्मानीय महोदय,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा दिनांक <u>02.03.2016</u> को प्रातः 10.00 से दोपहर 12.30 बजे तक अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आपके विद्यालय के कक्षा 9वीं च 11वीं के विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आशा है आप इस कार्यक्रम हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनेंगे।

सधन्यवाद ।

1 11/1/2

(प्रो. अनिल घर) विमागाध्यक्ष

f the Vice Chancellor 91-1581-222116 1-1581-223472 ins10#@email.co Website: www.jvbi.ac.in EPABX:+91-1581-222110,224332 Office of the Registrar
Phone: +91-1581-222230
Fax: +91-1581-223472
Email: registrar@pyth.ac.in

क दित्रथीय अहिया प्रशिष्ट्रण शिलिर पर्यावरण संरक्षण के लिए अहिंसा प्रशिक्षण जरूरी : धर भवनकर संवादकाता | त्याङन् जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रतिश्रण शिक्षर का आयोजन सेमिनार तील में किया गया। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष प्री. अस्ति धर ने कहा कि अहिंसा प्रशिक्षण से मानवीय मृत्यों का विकास करने के साथ प्रश्नीवरण संवर्धन के र्यात भी सनम रहा जा सकता है। थ्रो. भर ने अहिमा प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल देने गए विद्यार्थियो से समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्मन किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. र्रायन्द्र सिंह रातीह ने आहमा को मंस्कृति के विकास के लिए देया, प्रेम. वरुष्या, क्षमा आदि गुणी को जीवन में धारण करने की बात कारी। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जल प्रबंधन विषय पर लच्च फिल्म दिखाई गई और प्रापोणिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस अवसर पर शिविर में स्थानीय मीलाना आजाद उच्च माध्यमिक विद्यालय के सौ विद्यार्थियों ने भाग तिया। कार्यक्रम में इमरान खाँ, सहायक आचार्य डॉ. विकास शर्मा ने सहयोग किया। 04 HIT 2016 7 7

अहिंसा एवं शान्ति विमाग जैन विश्वभारती संस्थान, लाडन्ँ

जं.वि.भा.सं. /अहिंसा / 2016 / 3) 3

स्चना

दिनांक 15.3.2016

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा

दिनाक :16.03.2016 समय : प्रातः 10:00 बजे

स्थान : सेमीनार हॉल, शैक्षणिक खण्ड

इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

प्रतिलिपि :

81

- व.नि.स. कुलपति
 नि.स. कुलसचिव
- 3. वित्तांधिकारी

(प्रो. अनिल घर) विमागाच्यक्ष

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

मस्कर संवाददाता | लाइन्

जेन विस्वाधारती विस्वविद्यालय के आहरत एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिवर का आयोजन सॉमनार हॉल में किया गया। शिविर को संगोधित करते ए प्रो. बच्छराज दुग्गड़ ने कहा कि अक्षिमा का प्रशिक्षण जीवन में बहुत अध्यो है, अंदिसा के प्रशिक्षण से हो देशा पर अंकुश किया जा संकता है। वन्त्रीने कहा कि आज प्रत्येक व्यक्ति लाइन्, जैन दिखा भारती विरवदिवालय में उद्देश्य परिकाण विविद में उपदेश्यत समावित तनाम से जसित है। प्रो. दुग्गड़ ने अहिंसा प्रशिक्षण की प्रासांगकता पर प्रशिक्षण पर कल दिया। विश्वविद्यालय करते हुए अहिंसा को जीवन निर्माण कर ने प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। शिक्ति से काश डालते हुए विद्यार्थियों को जीवन



के कुलसचिन प्रो. अनिल धर ने अहिंसा विशिष्ट तत्व बताया। प्रो. धर ने अहिंसा आदर्श किया मंदिर माध्यपिक विद्यालय

में आहित्स के पालन के लिए प्रायोगिक प्रशिक्षण शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत प्रशिक्षण के माध्यम से जीवन में परिवर्तन के सी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

करने पर बल दिया। आदर्श विद्या मंदि के प्राचार्य राज्यम प्रारीक ने अहिंसा प्रशिक्षण शिक्षिर को महत्वपूर्ण बताते हुए विद्याधियों के विकास के लिए जरूनी बताया। कार्यक्रम का संयोजन करते हुए जनसंपर्क समम्बयक डॉ. वीरेंट भाटी मंगल ने कहा कि अहिंसा के प्रशिक्षण से श्रेष्ठ इंसान का निर्माण संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर प्रशिक्षण से जुड़े रहने का आधान किया। आधार ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. रविन्द्र सिंह राठीड़ ने किया। प्रशिक्षण शिविर में डॉ. अशोक भारकर, लक्ष्मी सिंधी आदि

16 मार्च 2016. दें निका भारकार नागोर

अहिंसा एवं शान्ति विभाग जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

जे.वि.भा.सं./अहिंसा/2016/324

दिनांक 08.02.2016

सूचना

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शान्ति दिभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

किया जा रहा है।

दिनांक : 09.02.2016 समय : प्रातः 11:00 बजे

स्थान : सेमीनार हॉल, शैक्षणिक खण्ड

इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

Maria Line

(प्रो. अनिल घर) विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि :

1. व.नि.स. - कुलपति

2 नि.स. - कुलसचिव

3. वित्ताधिकारी

अहिंसा एवं शान्ति विभाग जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

जीविभासं/अहिंसा/2015/17

सूचना

दिनांक 9.10.2015

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

दिनाकः 10.10.2015 समय : प्रातः 10:30 बजे स्थानः महाप्रज्ञ सभागार

इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

प्रतिलिपि :

- 1 व.नि.स. कुलपति
- 2 नि.स. कुलसचिव
- 3. वित्ताधिकारी

अहिंसा एवं शान्ति विभाग जैन विश्वमारती संस्थान, लाडनूँ

前原明·莊/湖底和/2015/1子2_

दिनांक 8.10.2015

सूचना

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

क्या जा रहा है।

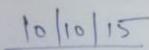
मांक : 10.10.2015 भाष : प्रात: 10:30 वजे

यान : महाप्रज्ञा समागार

इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

विभागाच्यक्ष

- वनिसं कुलपति
 निसं कुलसिव
 क्लिमिकारी



अल दिवसीय अदिया प्रशिक्ष

देश व समाज के विकास के लिए अहिंसा आवश्यक : प्रो. धर

एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

भारका भंगाददाता । त्यादन्

वैन विस्तान्त्राते विश्वविद्यान्य क अहिंद्रमा एवं जाति विरुक्षण के ताबाबधान में एक दिवसीय अंदिस्त प्रशिक्षण विशेष का आयोजन महापन संभागार में समारोहपूर्वक हुआ। निवासियों को संबोधित करने हर अहिंस्स एवं शाहि विभाग के अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के कुल सर्वित हो. ऑस्ट्रास ने कहा कि मुख आहिंसर को जीवन में अंगीकर की, तभी देश एवं समान का विकास बोधव है। यो, धर ने अहिंगा की आवश्यकत्त्र पर बल देते हुए बटा कि अहिंसा देम का स्थरूप है, इस इस क्या गुल्ट में सह अस्तित का विकास किया जा सकता है। उन्होंने जाहत है उसके दिया विशेष प्रयान पुणाओं को कीटआर निर्माण के काथ कहा कि शांति के लिए आहंस्सा हों की आवस्त्रकाल है। उन्होंने मुखाओं सूर्व्यों से प्रीरत विकास प्राप्त करने हमें अपनावर अस्मि को शक्ति विश्वविद्यालय के जो बीआर दुग्गड़ का विशिष्ट केंद्र बताते हुए पार्र से दी पश्चिमा विशेष में सेंट जीविक्सी ह बहा कि ज्यांका में अच्छाई एवं जा रही शिक्षा को अहिरम प्रमाणन ताई दोनों का सम्बंधित होता है।



लाहन्, केन विका मार्ट्स विकासिकान्य में अधिक व्यक्तिय सिर्धार में त्यांतिक करते कुल स्टिक के अधिक वरत

जिन गुणों को हम विकासत करना भीपेत्सा हो जुगलकिशीर दण्डीय ने

प्रक्रियाली असत्र है, प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में अहिंसा एवं शांत को का अग्रान किया। कार्यक्रम का जीवन का ध्येष बनाने का अञ्चान संयोजन कार्त हुए शोधाओं साधी को पाचान सकता है। समाग्रेह को किया। दुग्गह ने जैन विश्वपातनी विश्वों ने विद्यार्थियों को पर्यावान के अध्यक्षता करते हुए जैन विश्वपादती। विश्वविद्यालय को अविद्या एवं शांति। ध्वीत, सजल रहने क्या आक्षत किया। स्कूल के 70 से अर्थक नियमिन



अहिंसा एवं शांति विमाग, जैन विश्वमारती संस्थान, लाडनूं

अविभास / अहिंसा एवं शांति / 2017 /० र

दिनांक : 17.02.2017

सूचना

अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रि-दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 20-22 फरवरी, 2017 तक किया जा रहा है। उदचाटन सत्र में आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

उदघाटन सत्र :

दिनांक 20.02.2017

प्रात: 10.30 से 11.15

प्रधान

सेमीनार हॉल, अकादमिक ब्लॉक

(डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़) प्रमारी विमागाध्यस

प्रतिलिपि-

1. समस्त विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य

2. निजी सचिव, कुलपति

3. निजी सहायक, कुलसचिव

4. सचना पह

अहिंसा एवं शांति विभाग, जैन विश्वमारती संस्थान, लाडनूं

जीविमास / अहिंसा एवं शांति / 2017 / 6 8

स्चना

अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रि-दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 20-22 फरवरी, 2017 तक किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

उदघाटन सत्र :

दिनांक 20.02.2017

प्रातः 10.30 से 11.15

स्थान :

सेमीनार हॉल, अकादमिक ब्लॉक

(डॉ. रवीन्द्र सिंह राठीड) प्रमारी विमागाध्यक्ष

दिनांक : 17.02.2017

प्रतिलिपि-

- समस्त विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य
- 2. निजी सचिव, कुलपति
- 3. निजी सहायक, कुलसचिव
- 4. सूचना पट्ट

युवा अहिंसा 1/1/3/1/2

प्रशिक्षण शिविर शरू PRINCE OF THESE OF THE word femiliesers is office to tells fieres wit sits it senitive the firethe you with you offers where feller great finite all resident well go कारपीर प्रे. बचांशान पुरत ने बच कि जीवर में एक-पूर्ता के प्रेरस अपने से जीवन शारिकृत होता. जीवन में के विकास की है हम जीवन को जिसात्मक भी बना सकते It also afference show man है। मामने विवेतिका के उन्तरी ज open is were fix served words ने अहिंग्य पट्टा की और हिंग्स के मूल कारने की खंज की प्रे आनन्द्रकाश विपाले ने विकास निष्यों के जान करने की जनत weeds six suffers see it six flavour व्यक्त किए। अस्तित एवं शांति विश्वत के विश्वासम्बद्ध या रवीन्टीमत राजेह ने तिलि के बारे में जानकारी थे। या जुगत किशोर egyddog it aggynt mogres fedfae it NUMBER AND SOME ASSESSED. च्येम्, लावमानाह, जातका गाह, महास्तार, नोस्त्र, महस्त्र, सगह, भूरतम् राणावायः व काले अर्थेः क्षत्रेताल के विकासी मीजूद से। sewers in Females and a Series 20,21 व 22 फरकर 2017 सुना अस्मि प्रतिका मिनिर

rajasthanpatrika.com राजस्थान प्रविका , यून्ड , बुक्कर, 22.02.2017

मानवीय मुल्यों से युक्त होने पर ही जीवन की सार्थकता

प्रीवका स्पृत्र नेटवर्क

स्ताहत् के विश्व धार्ती विश्वविद्यालय के अधिक एक अधि विश्वास की और में जान की नहना क्षांच कृष्ट अस्मित प्रांतसम् विश्वीत में मालवार की दूरम तिवा विदेशक प्रो. आगन्द प्रकार विद्यात में speaks spea site after fiere वर अक्रवादात दिखा।

gu såk ut freed it will कि व्यक्तीय मुन्तों से मुक्त होने पर हो जीवन को सार्थकता है। जीहसा में मारे जीवन मृत्य समावित होते Et adett alt ib mer it mige nem de friedrich is MINISTER PRINCIPLE AND IN करण है और सामाना अर्थ है जीवन मृत्य आहे है। उन्हेंने शंबर at mercy with my art fa-भीका का अधिकारण कोने के affete with this fe fert it mit & form uppartung in #44 # fett #1 478 # #168 represented the annual the roads of with self) mone of our opposit we led not a fixed



market, recognised in the former to below weather before at the mad greet from finite en princip permit freezy a proper all the

ment from it will address in the florward. in Festion, निवा है। बोर्स्स एवं स्त्री जानकारे है। from a features in their the rate & spore; from abrests warms a special

select with any fix alvers finding address, they send दीर्थकान तक हो, निराना हो और निराय, बारको का अवस्थि है विकास विकास कार्य को नहीं निका के साथ हो से प्रश्ने प्रकारणा सरक्षण अधिकास जाए का

त्रामे पूर्ण से aligna an moline mperio affie bene de 3, aper el printer tre it gemen in menne fing pas arre-

20/02/2014

अहिंसा से ही मूल्यों का विकास संभव

लाइनुं जैन विश्वकारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं जाति विभाग के तत्वाक्यान में एक दिवसीय अहिंस्स प्रतिकृण शिक्षर का आयोजन संस्थान के एसटी चोड़का आडिटोरियम हुआ। शिविर को संबोधित करते हुए प्रो. बच्चराज दुगड ने कहा कि अहिंसा प्रतिश्चन वर्तमान की आवस्पकता है। ऑहसा के प्रशिक्षण से ही मानवीय मूल्यों का विकास हो सकता है। भ्रे. दुगड ने ऑहरत तत्व की मीग्डेंस करते हुए करा कि ऑहंसा के धरातल पर ही शांति संभव है। अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष हैं अनिल धर ने ऑहेंसा प्रशिवन एवं युवा विषयक विचार रखते हुए कहा कि आज युवाओं में हिसा एवं आक्रीश बद्ध है, अहिंग्स प्रशिक्षण के माध्यम से पुजाओं में रचनात्मक मोच का निर्माण किया जा सकता है। शिविर के डीडन विद्यार्थियों को आहिंगा एवं शति का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में स्थानीय विमाल किया विहार उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं लाड मनोहर बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय के करीब 300 विद्याधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बाल मनोविज्ञन पर अध्यक्ति निवापद प्रोचर फिल्म जागृति ऑडिटोरियम में दिखाई गई। कार्यक्रम का संगोजन डॉ बंदना कण्डलिया में किया। आधार डॉ र्यवाद सिंह रादौड़ में व्यक्त किया। व्यवस्था में जिकास छर्मा, लक्ष्मी सिंधी आदि का सहयोग खा।

लाडनूं में अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन युवाओं को बताया शांति, त्याग व संयम का महत्व

लाडनूं में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर संपन्न, शिविरार्थियों को दिए गए प्रमाण-पत्र

मारकर संसद्धाता (सड्हे

जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय गुज्य स्तरीय पूछा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर के समापन सत में मुख्य आंतीय के रूप में बोलते ह्य सरजमान तापहिया औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक बीके नागर ने कहा कि हमें प्रकृति ने समस्त आवस्यक वस्तुएं प्रधन की है, लेकिन हम उनका दोहने मनमजी में कर लेते हैं, ये ठीक नहीं है। प्रकृति के प्रति हमारा प्रेम व चितन द्येना चाहिए तथा आवरपकतानुसार ही उपभाग होना चाहिए।

होने चाहिए। मानसिक्त रूप से गलत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्यान



विचार रखना भी दिसा का ही रूप है। इन्होंने शिविसाधियों से कहा कि और तृतीय स्थान पर सुभाव पूनिया शिवर के दौरान सीखी हुई बातों व निकिता दाधीच रहे। अतिधियी अहिंग्या के मिद्धांत हमें इसी का कुछ हिस्सा या केवल एक ही को शिष्टा देते हैं और हर वस्तु के सूत्र आए अपने मन में उतार कर सभी शिव्यार्थियों को प्रमाण पत्र व्यति हमारा दुष्टिकोण बदल सकता उस पर चलता सुरू कर दिया। प्रदान किए गर। इस अवसर पर नेता है। उपभाग हमारा अधिकार है तो उसे अपने जीवन का हिस्सा वना पारीक, वृतिका नागपुरिया, सुभाप उसके राज्य हमारे करोज्य भी होने लिख तो निश्चित रूप से हृदय पुनिया, मनीप लखारा, तिमेना जीतम, व्यक्ति। उन्होंने करा कि हमारा परिकान हो नहरूमा। रिविय के दौरान पुनम भाग आदि ने अपने अनुभव करवार इसरों के प्रति अहिंसक है। अस्पीजित प्रतियोगिताओं में श्रेष्ट रहे हो उनके प्रति हमारे विचार भी शुद्ध प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। किरोर दांभीच ने आभार तांपित

पर रिया जैन, द्वितीय कोमल राठीड़ ने इन सभी को पुरस्कृत किया और प्रस्तृत किये। अत में हा जुगल

शिविर संपन्न होने के प्रशक्षणार्थियों ने किया ऑडिटोरियम, स्मार्ट वलासेज का अवलोकन

विश्वविद्यालय के विसाधिकारी आरके जैन ने क्या कि हर समस्या का समाधान अहिंसा के माध्यम से निकाल जा सकता है। इन्होंने ऑहंमा, शांति, त्याग, संयम व मौन का महत्त्व बताया तथा इन गुणों को अपनाने के लिए ग्रेरित किया। ग्री. अस्ति धर ने गांधी के संस्थापत का उदाहरण देते हुए कहा कि सत्यापत जहां दूसरों को प्रेरित करने का काम करता है, वहीं उसके द्वारा खुद का मन भी निर्माल हो जाता है। अहिसा एवं जाति विभाग के विभागाध्यक्ष हो. रविन्द्र सिंह रातीह ने शिवियाधियों से कहा कि शिवर से प्राप्त प्रशिक्षण के बाद वे एक ऑहंसक नागरिक के रूप में अपना जीवन बनाए तथा सभी को लाभान्वित करें। उनोंने कहा कि आने काना कान जार युवाओं का है, उसे उज्जल बनाए। प्रारंभ में डॉ. विकास शर्मा ने शिविर का प्रतिसंदन प्रस्तुत करते हुए तीन दिनों की समस्य ग्रनिविधयों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस तीन दिखसीय शिवर के दौरान थे. आनन्दप्रकाश विपाली, प्रो. ऑनल धर, समणी कुसूम प्रजा, ओमप्रकाम प्रवापत, हा. प्रदान सिंह शेखावत, हा. शेवन्द्र सिंह राठीड आदि ने प्रशिक्षण व विभिन्न विषयी पर व्याख्यान प्रदान किए। विविधिर्धियों को ध्यान, आसन, प्रापायाम, कार्यात्सर्ग, अनुप्रेशा आदि यौगिक क्रियाओं द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविद्यवियों ने यहां विद्यालित युनि स्वर्धितक कुमार के दर्शन करके उनसे आशीर्षकन के रूप में अहिंगा तथा का मार समझा। सभी को कैम्पम विकिट में बर्द्धमन प्रधानत, आहिटोरियम, स्मार्ट क्लासेज, शिक्षा विभाग आदि का अवलोकन कराया गया। 2019-1-3

Department of Non-violence and Peace

Jain Vishva Bharati Institute Time Table : One Day Youth Camp Date - 08 February 2017

उद्घाटन सत्र	10:30 बजे से 11:00 बजे तक सुबह 11:00 से 12:00 तक दोपहर 12:00 से 12:30 तक 12:30 से 1:00 बजे तक	
हिंसा अहिरा। अभिवृत्ति कार्यशाला और प्रायोगिक प्रशिक्षण		
हिंसा और अहिंसा का चित्रांकित प्रतिपादन		
फीडवैक सत्र. शिविर समापन और शिविर उपयोगिता पर वर्चा		

स्थान – सेमिनार हॉल, शैक्षणिक खण्ड समय – सुबह 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक

HOD, SOL

(डॉ. विकास शर्मा) समन्वयक

meaning the

हरनावां . छोटी खाटू . जसवंतगढ़

समाज को बुनियाद से सुधारना होगा : कक्कड़

लाडनूं में अहिंसा एवं शांति प्रशिक्षण के लिए युवा शिविर का आयोजन, कार्यक्रम में 100 संभागी हुए शामिल विश्वविद्यालय कैंपस का भी किया अवलोकन

PARTY HUBBERS PROVINCE

जैन विक्रम भारती विक्रमियालय के सीमनार हॉल में मध्यार को अहिसा एवं शांति की संस्कृति के प्रशिक्षण के लिए एक दिवसीय युवा शिविर का अप्रेजन किया गया। शिविर के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षा करते तए र्वासदूस विनोद कृष्णर काकर में कहा कि जब तक वक्का दिल से सीचता है यह सही रहता है, स्टेंकन तब से दिमार से स्टेकना शुरू करता है तो समाज की विकृतिया उस पर दल्वों होने लगती है। हमें समाज को ब्रानियाद से सुभारता है। जैन विशव भारती विशवविष्ठात्त्व मामाजिक मानती को मानता है और उन्हों के प्रस्तर का कार्य कर रहा है। करकार ने कहा कि अपने आएको समर्थ बनाए बिना किसी को अपनी बात मनवाना मुश्किल होता है। केवल सामध्येचान ही अपनी बात को सम्बन्धे मनवा सकता है। इसके लिए अध्यो रिवार, अध्या देशिन, अध्या व्यक्तित्व, अच्छी भाषा का होता जरूरी है। इन सबसे सी कर्जन रतमध्येषान बनता है और वह शांत स्थापित कर स्त्रता है। उन्होंने बताया कि परिवार हो या कथाएं कार्यालय हो या देश-दुनिया सभी अगह लड़ाई है, लेकिन इन शारी में अपने सामध्यें से ही शांति कायम की जा

चुना शिक्सि में 100 संभाषियों ने शिस्सा हिस्सा इन्हें योग एवं जीवन विशान क्रियाम के डा. अशोक भास्कर ने अहिंसा प्रशिक्षण के प्रायोगिक अभ्यास

करवाए। युवाओं को अनुप्रेक्षा, विशेष अस्मत, प्राणापाम एवं विभिन्न वीरिक हिस्पाओं का अस्थान करवाया गया।

गये और उन पर उनके विचारों को सूना समझा।

सभी संभाषियों से वैशिक्त परिवृश्य में गया। इस अवसर पर सभी संभाषियों हिंसा के स्वरूप का चित्रकेन करवाया को विश्वविद्यालय कैम्पस का शाकर उनको मनोवृत्ति कर आंकलन अवलोकन भी करवाया गया, जिससे किया गया तथा दा, विकास शर्मा द्वारा उन्होंने स्मार्ट क्लासेज, आचार्य काल् 10-10 विद्यार्थियों के 10 समृह बनाए कन्या महाविद्यालय तथा अन्य विभिन्न जानन उन्हें अलग-अलग टॉपिक दिये विभागों एवं व्यवस्थाओं को देखा व

हर युवा भीतर से बने मजबूत

हो. असिल धर ने अपने सम्बोधन में बताया कि हमारी पूजा शक्ति पर ही आने वाले भारत का दायित्व आएगा। भारत शक्तिशाली बने, इसके लिये हर पूजा को भीतर से मजबूत मनना तोगा। उन्होंने महात्मा गांधी का उदाहरण देते हुए बताया कि वे शारीरिक इंग्टि से उतने मनवृत नजर नहीं आंते थे, लेकिन उनका आत्मकल इतना मतकृत था कि अंग्रेजी को बाहर का रास्ता दिखाकर देश को आजद करवाने में सफल रहे। ट्यानंद सारखती तमापि के निदेशक हरिकृष्ण शर्मा ने बाहरी व आंग्रेंक दिसा के बारे में बताया तथा अपने अंदर विचारी की जिसा घुणा, देव आदि का त्याग करने की आवश्यकता बनाई।

सत्य व अहिंसा से सभी समस्याओं का हल

धारंच में विश्वविद्यासय के अहिंसा एवं शांति विधान के प्रभारी हा रविन्द्र सिंह सहीह ने युवा शिविर की प्रस्तावना प्रस्तुत को तथा कहा कि हिंसा को समाज मे मिटाने के लिये और युवाओं को नई सीच, नई दिशा देने के लिये जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय विभिन्न प्रयास कर रहा है। हा, जुगल दाधीय ने कहा कि सत्य और अहिंसा दो ऐसे शस्त्र है जिन्हें धारण करने से समाज को हर समस्या का इस निकास जा सकता है। उन्होंने इतेजना की त्यापने की आधारपकता बार्त्या कार्यक्रम का मंत्रासन विशिष्ट संयोजन था. विकास कार्य ने किया।

Department of Non-violence and Peace Youth Camp for Training in Non-violence September 28, 2016

Time Table

10.00-11.00	11.00-11.30	11.30-12.00	12.00-12.30
द्धाटन सत्र एवं शिविर परिचय	प्रायोगिक प्रशिक्षण	लघु फिल्म	समापन समारोह
अनिल धर एवं	योग एवं जीवन विज्ञान	विषय-पर्यावरण	
स्वीन्द्र सिंह राठीड स्टॉफ सदस्य	विमाग द्वारा		

समय

: प्रात: 10.00 से 12.30 बजे तक

स्थान

ः सेमीनार हॉल, शैक्षणिक खण्ड

अभि^{प्} (डॉ. विकास शर्मा) संयोजक

प्रतिलिपि :

- व. नि. स. कुलपति
- नि. स. कुलसचिव

one day youth camp in sept of Non-Violence and Peace Daled = 28/9/16 मी विद्यार्थियों ने लिया प्रशिक्षण में भाग

अपने जैन विस्थानानी विस्तिवासमा के अदिस एवं भारत विभाग के सरवासभूत में एक दिवारेन आहेता परिश्वण विकास का आयोजन मुख्यार को मताप्रज भागार में जिल्ला गया। इस प्रतितक्षण शिक्षिर में स्थानीय मीनाना आसद राज्य महायोगक विद्यालय के भी में अधिक से निवासियों ने धान लिया। कार्यक्रम ये यो अवितार भर ने बाद्य कि अवितास जीवन रोजी से हो पुरुषों को स्थापना कि जा सकती है। उन्होंने करा कि बीतकता, करुणा, मैठी, सहयोग, आपसी प्राची, वेप की स्थापना अहिंसा प्रशिक्षण द्वारा हो संभव है। प्रवासी विकासकार हो, सीवन्द्र सिंह सतीह ने हिंसा के पुष्पानों को मीमांसा करते हुए अहिंसा प्रीतक्षण को कार के स्थापन इस अध्यक्त पर चीन विकास के प्रश्री विभागाण्यक्ष हो प्रधुम्नसिंह शेलावत ने योग एवं असन का प्राप्तकम का प्रशिक्षण देने हुए योग के स्तुध बनाए। विकास श्री विकास शर्मा ने ऑहरन प्रशिक्षण भी महत्त पर प्रकाश द्वारपः इस आवसर पर विन्तान के क्रिकार एवं विद्यार्थी उत्तरका थे।

Celebrated International Non-Violence day on - 30/9/16

अहिसा एवं शांति के रास्ते पर चलकर की जा सकती है मानवता की रक्षा: प्रो.

जैविभा के सेमिनार हॉल में अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया

MERCH STREET, 1915

मि विवयसस्य विश्वविद्यासः क ओहिसा एवं गावि विभाग के नकारपान में संवित्तर होता में

जा सकती है।

उस्तीने घटना गांधी करे

अस्तामा कोई विकास नहीं है। स्थापाय में ही अहिंसक है। उन्होंने अहिंसा एवं शांति के मार्ग पर आसमा गांधी के एक्सीतिक चलकर ही पानवता की रक्षा की एवं आधिक जिंदन को प्रस्तुत किया। भी, भानंदरकात विपादी ने अहिंगम अवितनों द्वार देश विश्वास के स्वीत्राह दिन में अनुष्ठीन कारणा गांधी को ने अगिरमक अग्राहत हिए देने वार्यान हैं जाने हैं जाने स्वाहत को अग्राहत को स्वाहत को अग्राहत हैं हुए दर्ने को गिर्म स्वाहत को अग्राहत का अग्राहत हैं हुए दर्ने को गिर्म स्वाहत को अग्राहत कारणा स्थान को जीत कराया एकेश कुमार देख की अग्राहत हैं स्वाहत को अग्राहत कारणा स्थान के जीत कराया एकेश कुमार देख की अग्राहत हैं स्वाहत के निर्म स्वाहत स्वाहत के स्वाहत कारणा कारणा कारणा कारणा कारणा कारणा कारणा कारणा स्वाहत हो विश्वास सभी में पूर्ण कराया कारणा कारणा

अहिंसा एवं शान्ति विभाग जैन विश्वभारती संस्थान, लाडन् (राजस्थान)

दिनांक : 25.01.2018

स्चना

संस्थान के समस्त विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं विधार्थियों को सूचित किया जाता है कि हिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रि-दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन दिनांक 27.01.2018 को आचार्य महाप्रज्ञ वं आवार्य महाश्रमण ऑंडिटारियम में प्रातः 10:30 बजे होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नागौर पुलिस अधीक्षक परीस देशमुख 🤇 व कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के रजिस्ट्रार श्री मान शैलेन्द्र व्यास होगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो. बी.आर. दुगड़ करेगें। आप सभी की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

(जुगल किशोर दाघीच)

विलिपि-

- 1. समस्त विमागाध्यक्ष / प्राचार्य आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय इस आशय के साथ सभी विद्यार्थियों को सूचित कराने का
- 2. निदेशक, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय
- 3. सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
- 4. निजी सचिव, कुलपति
- 5. निजी सहायक, कुलसचिव
- 6. सूचना पट्ट

अहिंसा एवं शान्ति विभाग जैन विश्वभारती संस्थान, लाडन् (राजस्थान)

दिनांक : 29.01.2018

सूचना

संस्थान के समस्त विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं विधार्थियों को सूचित किया जाता है कि अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रि-दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का समापन दिनांक 29.01.2018 को शैक्षिणक खण्ड के सेमीनार हॉल में दोपहर 02:30 बजे होगा।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के दूरस्थ निदेशालय के निदेशक प्रो. आन्नद प्रकाश त्रिपाठी करेगें। आप समी की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

29.1.2018

(ज्यल किशोर दाघीच) विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि-

- 1. समस्त विभागाच्यक्ष / प्राचार्य आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय इस आशय के साध्य सभी विद्यार्थियों को सूचित कराने का
- 2. निदेशक, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय
- 3. सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
- निजी सचिव, कुलपति
 - निजी सहायक, कुलसचिव
- 6. सूचना पट्ट

युवा अहिंसा एवं मानवाधिकार प्रशिक्षण, हिंसा के पीछे काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार के बताए दोष

लाइनुं में 3 दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ, प्रदेश के विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थी ले रहे हैं भाग

HERST HISSORIA (TIP)

क्षेत्र क्षित्र भारती संस्थान (मान्य शिक्षपिदालय) के अहिंगा एवं शहित finan के तत्वावधान में तीन दिवामीय का अंडिया एवं मनवश्वित प्रशिक्षण विक्रिया शुभारंभ गाउँ महाराज-महाश्रमण अविष्ठदेशियम् में हुआ। कार्यक्रम् के मुखा अतिथ एमयी परिस देशमुख ने बहा कि ध्रिम के पीछे काम, क्रोध, लोभ, मोह व अध्यास के 5 होष होते है। इन दोषों ये परे कोई अवस्था नहीं होता। जो व्यक्ति इन क्षेत्रे का लिकार होता है, उसके दियान में से अग्रम का विचार अता है। समाज वे अगर पर्ण अहिंसा का मार्गल देखना महो है तो हिसा के जनक इन दोषों पर विकास पाना आवश्यक है। उन्होंने इस अध्यार पर शिविषक्षरी विकासियों से अपने श्रीवन में शिक्षा में लेकर कैरिअर बनाने तक की पूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विकासताओं को लेकर अपने करोजा में पैजा सुदाने की कोनिशा नहीं करनी वातिए। एक बार जो संकल्प मर ले, तो पीते पन्छ कर नहीं देखना चाहिए। एमपी में प्रत्याओं से कहा कि वे दर्वे नहीं, डरें नहीं और बोर्ल जरूर, क्येंकि जो अन्याप के विजन के बोलता नहीं और उसे सहन करता है, वह एक प्रकार से अन्याय का सहयोगी ही होता है।



लान्, एसपी परिस फेस्पुरत को सम्मतित करते हुए।

दंड विधान के बजाए सुधारवादी सिद्धांत को बतावा महत्वपूर्ण

के प्रचर्य हो, आनंद प्रकार विचारी ने नीमत खोखर थे विशिष्ट अतिव के रूप दंड विधान के बजाए मुधरवादी सिद्धांत में भंचामीन थी। जीतीवधी का स्थानत डॉ. को उचित बताया तथा कहा कि इस रायद मिह राटी है ही प्रशुप्त मिह शेखायत. विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले अहिंसा अनीत भटनागर आदि ने किया। अहिंसा एवं इसन के अनीच साले हैं। सीकन प्रशिक्षण एवं प्रेक्षाच्यान के प्रयोगों से शांति विश्वाग के विभागाच्यक डॉ. हुपल अगर पुलिस के कड़ायों व उनके विद्यार्थियों से परिपर्वन अग्या है। प्रॉ. अनिल किलोर दाधीय ने बताया कि इस 3 दिवसीय सानवाधकारों की बात करें ले पत भर में 3 दिन के शिविर को अहिमा व शांति प्रतिकाण शिविर में क्वेश के विभिन्न कोनेशी का बीजारीयण करने पाला बतामा। करकाम के लिहाची भार ले से हैं।

कार्यक्रम में आचार्य कालू करना कॉलेंज में राजस्थान पुलिस सेवा की अधिकारी

ध्यान व योग से बदला जा सकता है स्वभाव

क्रांब्स की अध्यक्षत करते हुए वेन विश्वपारते विश्वविद्यालय के कुलचीत थे. बच्छनाज दुगढ़ ने अपने संबोधन में देश, गयान व अपने प्रति कर्तन्त्रों को निधाने की अध्यागमत बर्ख तथ बहा कि ब्यान व गोग से स्वध्यव में बदलाव लाया जा सकता है। इस देशन समारोत के विशिष्ट अधिप कोच ner finalization in clients थी, परित्र शास्त्री ने अपने संबोधन में अहिंगा, शांति की मंत्रकृति एवं मानवरिकारों के संबंध में पुत्राओं के प्रतिकार को मानकी मून्यो में महायह बच्चा हव उन्होंने कहा कि इससे भग मुक्ता व स्वतंत्रता के साथ शरी, मेंबे व ग्रामान की भावनाएं उत्पन्न होगी। उन्होंने पुलिस व मनवाधिकारों का विका करते हुए कहा कि जानतेर पर पुलिस पर मतनविकारों के

शिविर ।

E

R

a

हिंसा रोकने के लिए अहिंसा प्रशिक्षण जरूरी

rejesthanpatrika.com

लाडन्, जैन विश्वभारती संस्थान मान्य विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में चल क्यो तीन दिवसीय अहिंसा एवं मानवाधिकार सम्बंधी युवा प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए दूरस्थ शिथा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाटी ने कल है कि विश्व में जो हिंसा के कारण असंत्लन है, उसे रोकने और संतुलित करने के लिए अहिंसा प्रशिक्षण की आवश्यकता है। प्रशिक्षित युवा वर्ग ही इसका समाधान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय अपने अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा अहिंसा की चिंगारी पैदा करने के कार्य में लगा हुआ है। आचार्य महाप्रज की अहिंसा यात्रा के उदाहरण देते हुए एवं आचार्य महाश्रमण द्वरा ईमानदारी व नेतिकता को आम जन में संचारित करने के लिए किए जा रहे कार्यों का उद्भेख किया। इ.रविन्द्र सिंह रावेड ने बताया कि शिविर में विवेक माहेश्वरी, समणी अमाप्रजा.



लाडनुं, कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि।

विजेताओं को किया पुरस्कृत

इत तीन दिवसीय युव प्रशिक्षण शिवर के बौठन सांस्कृशिक कार्वकामी एव परिवर्गिभाओं में विजेता रहे परिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। एकत ग्रायन प्रतियोगिता में राकेश नागीर प्रथम, रविन्द कुमार डीडवान द्वितीय एवं ममता आचार्य राजवास दुतीय, रहे। एकल ज़ूब प्रतियोगिता में वैधिका सोबी प्रथम, ममता कंवर राणायात द्वितीय एवं विमांना राणावस कृतीय रही। तम्क्र क्य प्रतियोजिशा में पिकी पाठेक एवं समूह लड़म् प्रथम, बिखाएवं समूह किङ्काढ व मीलम एवं समृह राजवस द्वितीय तथा तृतीय स्वन पर पीताम्बर एवं समूह डीइकन रहे। वब विकद प्रशिधोणित में नहेन्द्र शिंह रहींड डीडवान प्रथम, चीलम्बर सर्मा डीडवारा द्वितीय एवं कीदवान डीडवारा तृतीय रहे। इसको अतिवियों ने पुरस्कृत किया।

प्रा. अनिल धर, डा. प्रद्यम्न सिह शेखावत, प्रो. एपी त्रिपादी, जा. ज्याल किशोर दाधीच आदि ने शिविराधियों को अहिस्स क पशिक्षण प्रदान किया। शिविर के दीरान सभी को नियमित रूप से

ध्यान, प्राणायाम् व येग का अभ्यास करवाया गया। अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष छ नुगल किशोर दाधीच ने आभार जापित किया। कार्यक्रम का संचालन छ. विकास शर्मा ने किया।







Tue, 30 January 2018 epaper.patrika.com//c/25813436

